



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 174]
No. 174]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 27, 2005/आषाढ 6, 1927
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 27, 2005/ASADHA 6, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जून, 2005

विषय: इण्डोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया एवं चीनी ताइपेई से पोलिस्टर के सभी पूर्ण छ्रॉन अथवा पूर्ण ओरिएन्टेड यार्न/स्पिन ड्रा यार्न/फ्लैट यार्न के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत

सं. 14/3/2005-डीजीएडी:- मैसर्स सेन्ट्रल इंडिया पोलिस्टर्स लिंग, मैरो सेन्चुरी एंका लिंग, मैरो गार्डन सिल्क मिल्स लिंग, मैरो नोवा पेट्रोकेमिकल्स लिंग, मैरो रेक्रोन सिस्टेटिक्स लिंग एवं मैरो वेल्सपुन सिटेक्स लिंग ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें इण्डोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया एवं चीनी ताइपेई से पूर्ण छ्रॉन अथवा पूर्ण ओरिएन्टेड यार्न/स्पिन ड्रा यार्न/फ्लैट यार्न के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जांच करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

2. विचाराधीन उत्पाद

पोलिस्टर के सभी पूर्ण छ्रॉन अथवा पूर्ण ओरिएन्टेड यार्न/स्पिन ड्रा यार्न/फ्लैट यार्न (बगैर बुना हुआ और बगैर पी ओ वाई) और सीमाशुल्क शीर्ष 5402.43 के टैरिफ विवरण की पुष्टि करने वाले अन्य यार्न हैं (जिन्हें एतदपश्वात संबद्ध वस्तु कहा गया है)। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र में किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है। उपर्युक्त उत्पाद वाणिज्यिक बाजार की भाषा शैली में सामान्यतः पूर्ण छ्रॉन यार्न के रूप में जाना जाता है। संबद्ध वस्तु का प्रयोग परिधान/घरेलू वस्त्रों और अन्य औद्योगिक वस्त्रों के विनिर्माण में किया जाता है। संबद्ध वस्तु की तकनीकी विशेषताएं उसके डेनियर्स, तीक्ष्णता, चमक, रंगों (जैसे अर्ध मलिन, चमकीला, अति चमकीला, पूर्ण मलिन, डोप से रंगे हुए) प्रतिकाट और सिकुड़न से परिमाणित होती हैं।

समान वस्तु

3. आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु जिसका भारत में पाठन किया जा रहा है वह घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समान है। पाठित आयातों और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु में तकनीकी विशेषताओं, गुणवत्ता, कार्य अथवा अन्तः प्रयोगों में कोई अंतर नहीं है। पाठित वस्तुओं और याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद में कोई अन्तर नहीं है। दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रति स्थापनीय हैं अतः इन्हें पाठनरोधी नियमों के तहत "समान वस्तु" समझा जाना चाहिए। इसलिए वर्तमान जांच के उद्देश्य से भारत में आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देशों से आयात की जा रही संबद्ध वस्तु के समान "घरेलू समान वस्तु" माना जाता है।

घरेलू उद्योग

4. आवेदन सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, नई दिल्ली द्वारा भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उत्पादकों के साथ प्रस्तुत किया गया है:

- (i) मै0 सेन्ट्रल इंडिया पोलिस्टर्स लि�0, नागपुर, महाराष्ट्र।
- (ii) मै0 सेन्युरी एंका लि�0, रामगढ़, महाराष्ट्र।
- (iii) मै0 गार्डन सिल्क मिल्स लि�0, सूरत, गुजरात।
- (iv) मै0 नोवा पेट्रोकेमिकल्स लि�0, अहमदाबाद, गुजरात।
- (v) मै0 रेक्रोन सिंथेटिक्स लि�0, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
- (vi) मै0 वेल्सपुन सिंटेक्स लि�0, थाणे, महाराष्ट्र।

पूर्वोक्त उत्पादकों के सामूहिक उत्पादन का घरेलू समान वस्तु के सकल घरेलू उत्पादन में एक प्रमुख हिस्सा बनता है। प्राधिकारी निर्धारित करते हैं कि पूर्वोक्त आवेदक नियम 5(3) (क) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन प्रस्तुत करने के मानदंड को पूरा करते हैं और उपरोक्त नियमों के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

शामिल देश

5. वर्तमान जांच में शामिल देश इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और चीनी ताइपेई हैं जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है।

सामान्य मूल्य

6. आवेदक संबद्ध देश के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के मूल्य का साक्ष्य जुटाने में असमर्थ रहे हैं और साक्ष्य के अभाव में संबद्ध देश में सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। कच्चे माल की लागत पीसी आई के प्रकाशित आंकड़ों में दी गयी कीमत के आधार पर ली गयी है। परिवर्तन लागत का उचित अनुमान, बिक्री, सामान्य, प्रशासनिक खर्च और लाभ परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर निकाला गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के लिए सामान्य मूल्य के दावा हेतु पर्याप्त साक्ष्य हैं।

निर्यात कीमत

7. निर्यात कीमत डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर आधारित है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए नौवहन भाड़ा, समुद्री बीमा, बिक्री कमीशन और पत्तन हैंडलिंग प्रभारों हेतु समायोजनों का दावा किया गया है।

पाटन मार्जिन

8. इस बात का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद है कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत की तुलना में बहुत अधिक है जिससे यह संकेत मिलता है कि निर्यातकों द्वारा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

क्षति और कारणात्मक संबंध

9. याचिकाकर्ताओं ने क्षति से संबंधित विभिन्न मानदंडों के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। संबद्ध वस्तुओं के आयात में समग्र रूप के साथ-साथ भारत में वस्तु की मांग के संदर्भ में हुई उल्लेखनीय वृद्धि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की हानि, संबद्ध वस्तु की बिक्री में घरेलू उद्योग द्वारा उठाया गया घाटा, अत्यधिक कीमत कटौती, जैसे मानदंडों से प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है। प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य से यह प्रदर्शित होता है कि संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध है।

पाटनरोधी जांच प्रारंभ करना

10. विनिर्दिष्ट प्राधिकारी पूर्वोक्त पैराग्राफों को ध्यान में रखते हुए संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हैं।

जांच की अवधि (पी ओ आई)

11. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 जनवरी, 2004 से 31 दिसम्बर 2004 तक है।

सूचना प्रस्तुत करना

12. संबद्ध देशों के निर्यातकों और इस जांच से संबंध भारत के ज्ञात आयातकों को निर्धारित प्रपत्र में एवं निर्धारित ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने और अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन,

नई दिल्ली 110011 को अवगत कराने हेतु अलग से लिखा जा रहा है। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे निर्धारित समय सीमा के भीतर, निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित ढंग से जांच से संगत अपने अनुरोध प्रस्तुत कर सकता है।

समय सीमा

13. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि जिन ज्ञात निर्यातकों एवं आयातकों को अलग से सूचित किया जा रहा है उन्हें अलग से भेजे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर सूचना उपलब्ध कराना अपेक्षित है।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

14. नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतर की सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

किसी ऐसे मामले में जहां कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना देने से इंकार करता है, अथवा इसे उचित अवधि के भीतर अन्यथा प्रस्तुत नहीं करता है अथवा जांच में महत्वपूर्ण रूप से रुकावट डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTIDUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 27th June, 2005

Subject : Initiation of anti dumping investigation concerning imports of all Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester from Indonesia, Republic of Korea, Malaysia and Chinese-Taipei.

No.14/3/2005-DGAD.— M/s Central India Polyesters Ltd., M/s Century Enka Ltd., M/s Garden Silk Mills Ltd., M/s Nova Petrochemicals Ltd., M/s Recron Synthetics Ltd. and M/s Welspun Syntex Ltd. have filed an application in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection

of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester from Indonesia, Republic of Korea, Malaysia and Chinese-Taipei and requested for Anti Dumping investigations and levy of anti dumping duties.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION

2. The product involved in the present investigation is All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester (non-textured and non-POY) and other yarns conforming to the tariff description of customs heading 5402.43 (hereinafter also referred to as subject goods). The Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. The above-mentioned product in commercial market parlance is generally known as 'Fully Drawn Yarn'. The subject goods are used for manufacture of apparel / household textiles, and other industrial textiles. Technical specifications of the subject goods are defined in terms of their deniers, textures, lustres, colours (like semi dull, bright, super bright, full dull, Dope dyed), cross section and shrinkage.

LIKE ARTICLE

3. The applicants have claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods. There is no difference in the dumped goods and the product under consideration manufactured by the petitioners. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like articles' under the Anti Dumping Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the applicants in India are being treated as 'Domestic Like Article' to the subject goods being imported from the subject countries.

DOMESTIC INDUSTRY

4. The application has been filed by the Association of Synthetic Fibre Industries, New Delhi along with the following producers of subject goods in India:

- (i) M/s Central India Polyesters Ltd., Nagpur, Maharashtra.
- (ii) M/s Century Enka Ltd., Raigad, Maharashtra.
- (iii) M/s Garden Silk Mills Ltd., Surat, Gujarat.
- (iv) M/s Nova Petrochemicals Ltd., Ahmedabad, Gujarat.
- (v) M/s Recron Synthetics Ltd., Allahabad, Uttar Pradesh.
- (vi) M/s Welspun Syntex Ltd., Thane, Maharashtra.

The collective production of the aforesaid producers constitutes a major proportion of the total domestic production of the domestic like article. The Authority determines that aforesaid applicants satisfy the criteria of standing to file the application on behalf of the domestic industry in terms of Rule 5(3)(a) and represent the domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Rules supra.

COUNTRIES INVOLVED

5. The countries involved in the present investigation are Indonesia, Republic of Korea, Malaysia and Chinese-Taipei hereinafter also referred to as the subject countries.

1917 GL 2005-2

NORMAL VALUE

6. Applicants have not been able to get evidence of prices of subject goods in the domestic market of subject countries and in the absence thereof have constructed the normal value in the subject countries. Raw material costs have been taken on the basis of prices given in the PCI published data. Reasonable estimate of the conversion cost, selling, general, administrative expenses and profit has been made while arriving the constructed normal value. The Authority notes that there is sufficient evidence of the normal value claimed for the subject goods from subject countries.

EXPORT PRICE

7. The export price has been based on DGCI&S data. The adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, sales commission and port handling charges to arrive at the Export Price at ex-factory level. There is sufficient evidence of the export price claimed for the subject goods from the subject countries.

DUMPING MARGIN

8. There is *prima facie* evidence that the Normal Value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the ex-factory export price indicating *prima facie* that the subject goods are being dumped by exporters from the subject countries.

INJURY AND CAUSAL LINK

9. The applicants have furnished information on various parameters relating to injury. Parameters such as significant increase in imports of subject goods in absolute terms as well as in relation to the demand of goods in India, loss of market share of the domestic industry, losses incurred by domestic industry in sale of subject goods, significant price undercutting, *prima facie* indicate that the domestic industry has suffered material injury on account of dumping. The *prima facie* evidence shows causal link between the dumped imports of the subject goods and injury caused to the domestic industry.

INITIATION OF ANTI-DUMPING INVESTIGATIONS

10. The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

11. The period of investigation for the purpose of present investigation is 1st January 2004 to 31st December 2004.

SUBMISSION OF INFORMATION

12. The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties, Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

TIME LIMIT

13. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

14. In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority